बरेली, शुक्रवार
12 नवंबर, 2021
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 20

दैनिक जागरण

PAGE NO : 03 TOP

मंचन : एसआरएमएस रिद्धिमा में अर्धकाव्य नाटक का मंचन शाम साढ़े पांच बजे से।

PAGE NO : 06 BOTTOM

साईं की शिक्षाओं का ज्ञान देता है 'साईं सच्चरित्र'

जासं, बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में थिएटर फेस्ट 'इंद्रधनुष' के तीसरे दिन साईं की शिक्षाओं पर आधारित नाटक साईं सच्चरित्र का मंचन हुआ। एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति ने साईं का किरदार निभाने वाले मुकुल नाग और नीता कुदेशिया को स्मृति चिह्न भेंट कर उनका स्वागत किया।

नाटक की शुरुआत साईं बाबा द्वारा दी गई शिक्षा 'सबका मालिक एक है' से होती है। नाटक में बाबा का भक्त हेमाडपंत पूछता है कि आप शिरडी कैसे पहुंचे। बाबा ने उसे पूरी बात बताई। साईं बताते हैं कि गुरु ने उन्हें दो सिक्के श्रद्धा और सबूरी दिए थे, जिन्हें बाईजा मां को दे आया था। एक बार पाटिल ने मुझसे कहा साईं बाबा शिरडी चलो मेरे भतीजे की शादी में और मैं फौरन वापस शिरडी लौट आया, लेकिन ये वो शिरडी नहीं थी जिसे मैं छोड़कर गया था। नाटक में आगे दिखाया गया कि लोहार

एसआरएमएस रिद्धिमा में साईं सच्चरित्र नाटक का मंचन करते कलाकार ● सौ. एसआरएमएस

पति पत्नी जो बाबा की भक्त थे। एक दिन उनका बच्चा अग्नि में गिर गया, तब बाबा ने उस अग्नि में हाथ डालकर बच्चे को बचाया। नाटक के माध्यम से साईं बाबा की दी हुई शिक्षाओं का मंचन किया गया। मुकुल नाग ने साईं के दर्शन कराए। इसके अलावा हेमाडपंत के किरदार में नरोत्तम बेन, बाईजा मां के किरदार में ममता कमलाकर पावसकर, सुन्दरबाई वंदना बोलार, लक्ष्मी मां पाखी नाग और तात्या का किरदार राजेन्द्र सक्सेना ने शानदार निभाया। ट्रस्टी आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा आदि मौजूद रहे।